



Handwritten signature/initials

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 3 1989/ज्येष्ठ 13, 1911

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1989/JYAISTHA 13, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम,
(जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administrations of Union Territories)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1989

सा.का.नि. 385.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार टकसाल में सुरक्षा
अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत सरकार टकसाल (सुरक्षा अधिकारी) भर्ती नियम, 1988 है।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त/उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विनिर्दिष्ट हैं।
- निरर्हता:— वह व्यक्ति—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,
उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, यहाँ वह, उनके लिए जो कारण हैं उन्हें विशद करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की श्रावण, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य शिथिलताओं पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

भारत सरकार टंकमालों में सुरक्षा अधिकारियों के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	अवधि पद धारता अवधायन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का प्रायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
सुरक्षा अधिकारी	3* (1988) बम्बई, कलकत्ता और नौएडा टंकमाल प्रत्यक्ष-1 *कार्यभार के आधार पर परिचालन किया जा सकता है।	माध्यम केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित (अनुसूचिनीय)	2000-60-2300- द.रो.-75-3200- 100-3500 वर्ष	वयस्क	30 वर्ष से अधिक नहीं	नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण : आयु-सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उममे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में है) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं				सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए पत्रिधा की अवधि, यदि कोई हो		
विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं						
8				9		
आवश्यक :				नहीं		
(i) किसी माप्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समतुल्य।				सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष		
(ii) किसी सैनिक या पैगसैय संगठनों या केन्द्रीय पुलिस संगठनों या राज्य पुलिस संगठनों में कनिष्ठ कमीशनड अधिकारी या पुलिस उपाधीक्षक या समतुल्य की पंक्ति में 5 वर्ष का अनुभव।						
टिप्पण :						
(1) अर्हताएं अन्यथा सुप्रहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।						
(2) अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब अयम के किसी प्रकस पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।						

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-
शब्दा

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायगा

11

12

(1) 66-2/3 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

(2) 33-1/3 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

भूतपूर्व सैनिकों के लिए।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

पुनर्नियोजन द्वारा।

प्रोन्नति: एकमात्र के ऐसे निरीक्षकों में से जिन्होंने उम्र श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय या राज्य सरकारों या केन्द्रीय पुलिस संगठनों/राज्य पुलिस संगठनों के अधीन ऐसे अधिकारी--

(क) (1) जो नियमित आश्रय पर सशस्त्र पद धारण करते हैं; या (2) जिन्होंने 1640-2900 रुपए वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तम्भ 8 में बिहित वैश्विक ग्रहणाएँ और अनुभव है।

भूतपूर्व सैनिकों के लिए।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण या पुनर्नियोजन :

सशस्त्र बल के ऐसे कार्मिक जो एक वर्ष की अवधि के भीतर सेवा निवृत्त होने वाले या रिक्त में स्थानान्तरण किए जाने वाले हैं और जिनके पास अपेक्षित बिहित अनुभव और ग्रहणाएँ हैं पर भी विचार किया जायगा।

ऐसे व्यक्तियों को उस तारीख तक जिसमें वे सशस्त्र बल से निर्मुक्त होने वाले हैं प्रतिनियुक्ति की अवधि प्रदान की जाएगी, उसके पश्चात वे पुनर्नियोजन पर बनाए रखे जा सकते हैं।

(फाइनल प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति दिए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति।

(प्रोन्नति पृष्ठ के लिए) :

1. महाप्रबंधक--अध्यक्ष

2. उप महाप्रबंधक--सदस्य

3. उप सचिव (सी प्रार सी) धार्मिक कार्य विभाग--सदस्य

4. उप सचिव (प्रशासन) धार्मिक कार्य विभाग--वित्त मंत्रालय--सदस्य।

टिप्पण: पृष्ठ से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, सच लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक सच लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

सीधी भर्ती करने समय या प्रतिनियुक्ति के लिए किसी अधिकारी का खयन करने समक्ष सच लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 30th March, 1989

G.S.R. 385.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Security Officer, India Government Mints, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the India Government Mints (Security Officer) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed in these rules.

3. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (13) of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions regarding to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of security Officer in the India Govt. Mints

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Security Officer	3* (1988) 1 each Bombay, Calcutta and Noida Mints	General Central Service Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 2000-60- 2300-EB-75- 3200-100-3500.	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Govt. servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No.
	*Subject to variation dependent on workload.				Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of appli- cations from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep)	
Educational and other qualification required for direct recruits				Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods
8				9	10	11
Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent.				No.	2 years for direct recruits.	(i) 66-2/3% by promotion failing which by transfer on

8

10

- (ii) 5 years experience in Military or Para Military Organisations or Central Police Organisations or State Police Organisations in the rank of Junior Commissioned Officer or Deputy Superintendent of Police or equivalent.

Note. 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note: The qualification(s) regarding, experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

- deputation and failing both by direct recruitment.
(ii) 33-1/3% by transfer on deputation failing which by direct recruitment.

For Ex-Servicemen:
By transfer on deputation or Re-employment.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission to be consulted in making recruitment.
12	13	14
<p>Promotion: Inspectors in the Mints with 5 years regular service in the grade. Transfer on deputation. Officers under the Central or State Government or Central Police Organisation or State Police Organisation.</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or (ii) with 5 years regular service in the posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications & experience prescribed for direct recruits under column 8.</p> <p>For Ex-Servicemen: Transfer on deputation or Re-employment: Armed Forces Personnel due to retire or who are to be transferred to reserve within a period of 1 year and having the requisite experience and qualifications prescribed shall also be considered. Such persons would be given deputation term upto the date on which they are due for release from the Armed Forces; thereafter they may be continued on re-employment.</p> <p>(The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>Group 'B' DPC (for promotion/confirmation).</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. General Manager- Chairman. 2. Deputy General Manager- Member 3. Deputy Secretary (C&C), Department of Economic Affairs - Member. 4. Deputy Secretary (Administration) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance- Member. <p>Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	<p>Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and selecting an officer for appointment on transfer on deputation.</p>

इस्पान और खान सत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1988

सा.का.नि. 386.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त्वक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (समूह 'क' और समूह 'ख' पद) भर्ती नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (समूह 'क' और समूह 'ख' पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (समूह 'क' और समूह 'ख' पद) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में, सहायक लागत लेखा अधिकारी के पद से संबंधित, क्रम संख्यांक 35 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियाँ रखा जाएगी, अर्थात् :—

अनुसूची

1	2	3	4	5	6	6(क)
“35. सहायक लागत लेखा अधिकारी	अ* कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित, अतनुसन्धिवीय	2200-75-2800-द.रो.-100-4000 रुपये	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	हां

7	8	9
आवश्यक :	आयु : नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए
(1) भारत में चाटेई अकाउंटेंट संस्थान परिषद द्वारा रखे गए सदस्यों के रजिस्टर में नामांकन के लिए या लागत तथा संक्रम लेखाकार संस्थान, लवन या भारतीय लागत तथा संक्रम लेखाकार संस्थान, कलकत्ता की अंतिम परीक्षा के लिए मान्यता प्राप्त लेखा कम अर्हता।	अधिक अर्हता : नहीं	1 वर्ष और प्राप्त व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष
(2) किसी सरकारी या औद्योगिक संगठन में लागत लेखा में 7 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव जिसके अंतर्गत 3 वर्ष संगठन में किसी पर्यवेक्षीय हैमियत में या किसी वृत्तिक हैमियत में अनुभव हो है।		

टिप्पण :

- (1) अर्हताएं अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में सघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।
- (2) अनुभव संबंधी अर्हता सघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जसजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर सघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरणे के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

- (1) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।
- (2) 50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति:

प्राप्त लेखाधार जिन्होंने उम्र श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण:

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी:

(क) (1) जो नियमित आधार पर सशुण पद धारण कर रहे हैं; या

(2) जिन्होंने 2000-3500 रुपये वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 3 वर्ष नियमित सेवा की है, या

(3) जिन्होंने 1640-2900 रुपये वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पाम स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विशिष्ट शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव है।

(फोर्जर प्रश्नों के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य मण्डल/विभाग में हम नियुक्ति के ठीक पहले श्रावित किसी अन्य काइर बाह्य पद पर नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति की अवधि है, माध्याह्निकता तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति:

(प्रोन्नति और पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए):

जिसमें निम्नलिखित होंगे:

1. उप महानिदेशक—अध्यक्ष
2. निदेशक या भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के समतुल्य पंक्ति का कोई अधिकारी—सदस्य
- (3) निदेशक (कार्मिक) या भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण की समतुल्य पंक्ति का कोई अधिकारी—सदस्य।

टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है कि विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[फा.सं. ए-12018/20/82-एम II]

जे.बी. मुनिराजुलू, धवर सचिव

पाठ टिप्पण:—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (समूह 'क' और समूह 'ख' पर) भर्ती नियम, 1967 इस्पात, खान और धातु मंत्रालय की अधिमूचना तारीख 28 नवम्बर, 1987 द्वारा मा.का.नि. 1883 के रूप में भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) तारीख 16 दिसम्बर, 1967 में प्रकाशित हुआ था। इनका संशोधन पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिमूचना तारीख 4 जून, 1989 के अधिन. मा.का.नि. 1575 के रूप में भारत के राजपत्र में 28 जून, 1969 को प्रकाशित हुआ।

उक्त नियमों का इस्पात और खान मंत्रालय की अधिमूचना के अधीन निम्नलिखित द्वारा और संशोधन किया गया:—

- (1) मा.का.नि. 1337, तारीख 26 नवम्बर, 1973 जो 8 दिसम्बर, 1973 को प्रकाशित हुए।
- (2) मा.का.नि. 14, तारीख 20 दिसम्बर, 1973 जो 5 जनवरी, 1974 को प्रकाशित हुई।
- (3) मा.का.नि. 502, तारीख 22 मई, 1974 जो 20 जून, 1974 को प्रकाशित हुई।
- (4) मा.का.नि. 761, तारीख 6 जुलाई, 1974 जो 20 जुलाई, 1974 को प्रकाशित हुई।
- (5) मा.का.नि. 1698, तारीख 17 नवम्बर, 1976 जो 4 दिसम्बर, 1976 को प्रकाशित हुई।
- (6) मा.का.नि. 418, तारीख 7 मार्च, 1977 जो 26 मार्च, 1978 को प्रकाशित हुई।

- (7) सा.का.नि. 1980, तारीख 18 अगस्त, 1978 जो 2 सितम्बर, 1978, को प्रकाशित हुई।
 (8) सा.का.नि. 1265, तारीख 30 सितम्बर, 1978 जो 21 अक्टूबर, 1978 को प्रकाशित हुई।
 (9) सा.का.नि. 597, तारीख 2 अप्रैल, 1979 जो 28 अप्रैल, 1979 को प्रकाशित हुई।
 (10) सा.का.नि. 598, तारीख 3 अप्रैल, 1979 जो 28 अप्रैल, 1979 को प्रकाशित हुई।
 (11) सा.का.नि. 1397, तारीख 7 नवम्बर, 1979 जो 21 नवम्बर, 1979 को प्रकाशित हुई।
 (12) सा.का.नि. 461, तारीख 11 अप्रैल, 1980 जो 26 अप्रैल, 1980 को प्रकाशित हुई।
 (13) सा.का.नि. 715, तारीख 5 जुलाई, 1980 जो 19 जून, 1980 को प्रकाशित हुई।
 (14) सा.का.नि. 716, तारीख 20 जून, 1980 जो 5 जुलाई, 1980 को प्रकाशित हुई।
 (15) सा.का.नि. 717, तारीख 21 जून, 1980 जो 5 जुलाई, 1980 को प्रकाशित हुई।
 (16) सा.का.नि. 718, तारीख 23 जून, 1980 जो 5 जुलाई, 1980 को प्रकाशित हुई।
 (17) सा.का.नि. 997, तारीख 11 सितम्बर, 1980 जो 27 सितम्बर, 1980 को प्रकाशित हुई।
 (18) सा.का.नि. 555 तारीख 25 मई, 1981 जो 13 जून, 1981 को प्रकाशित हुई।
 (19) सा.का.नि. 966 तारीख 16 अक्टूबर, 1981 जो 31 अक्टूबर, 1981 को प्रकाशित हुई।
 (20) सा.का.नि. 968, तारीख 17 अक्टूबर, 1981 जो 31 अक्टूबर, 1981 को प्रकाशित हुई।
 (21) सा.का.नि. 14, तारीख 19 दिसम्बर, 1980 जो 3 जनवरी, 1981 को प्रकाशित हुई।
 (22) सा.का.नि. 711, तारीख 13 अगस्त, 1982 जो 28 अगस्त, 1982 को प्रकाशित हुई।
 (23) सा.का.नि. 100, तारीख 9 दिसम्बर, 1982 जो 25 जनवरी, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (24) सा.का.नि. 478, तारीख 2 जुलाई, 1983 जो 14 जून, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (25) सा.का.नि. 479, तारीख 15 जून, 1983 जो 2 जुलाई, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (26) सा.का.नि. 584 तारीख 25 जुलाई, 1983 जो 6 अगस्त, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (27) सा.का.नि. 602, तारीख 26 जुलाई, 1983 जो 13 अगस्त, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (28) सा.का.नि. 682, तारीख 25 अगस्त, 1983 जो 17 सितम्बर, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (29) सा.का.नि. 975, तारीख 2 नवम्बर, 1983 जो 17 दिसम्बर, 1983 को प्रकाशित हुई।
 (30) सा.का.नि. 107 तारीख 12 जनवरी, 1984 जो 4 फरवरी, 1984 को प्रकाशित हुई।
 (31) सा.का.नि. 172 तारीख 30 जनवरी, 1984 जो 18 फरवरी, 1984 को प्रकाशित हुई।
 (32) सा.का.नि. 653, तारीख 18 जून, 1984 जो 30 जून, 1984 को प्रकाशित हुई।
 (33) सा.का.नि. 900, तारीख 4 अगस्त, 1984 जो 25 अगस्त, 1984 को प्रकाशित हुई।
 (34) सा.का.नि. 32, तारीख 29 दिसम्बर, 1984 जो 12 जनवरी, 1985 को प्रकाशित हुई।
 (35) सा.का.नि. 67 तारीख 4 जनवरी, 1985 जो 19 जनवरी, 1985 को प्रकाशित हुई।
 (36) सा.का.नि. 68, तारीख 5 जनवरी, 1985 जो 19 फरवरी, 1985 को प्रकाशित हुई।
 (37) सा.का.नि. 543, तारीख 27 मई, 1985 जो 8 जून, 1985 को प्रकाशित हुई।
 (38) सा.का.नि. तारीख 31 जुलाई, 1986 को प्रकाशित हुई।
 (39) सा.का.नि. तारीख 5 नवम्बर, 1986 को जो को प्रकाशित हुई।

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 29th December, 1988

G.S.R. 386. — In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Geological Survey of India (Group A and Group B Posts) Recruitment Rules, 1967, namely:—

1. (1) These rules may be called by Geological Survey of India (Group A and Group B posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1988
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Geological Survey of India (Group A and Group B posts) Recruitment Rules, 1967, for serial number 35 relating to the post of Assistant Cost Accounts Officer and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6
35 Assistant Cost Accounts Officer	*8 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group "B, Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.	Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

6a	7	8
Yes	Essential:	No
	<p>(1) Accountancy qualification recognised for enrolment in Register of Members maintained by the Council of the Institute of Chartered Accountants in India, or the Final Examination of the Institute of Cost and Works Accountants, London or of the Indian Institute of Cost and Works Accountants, Calcutta.</p> <p>(2) 7 years, practical experience in Cost Accounting in a Government or industrial organisation including 3 years in a supervisory capacity within the organisation or in a professional capacity.</p> <p>Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>	
9	10	11
1 year for direct recruits and 2 years for promotees.	<p>(i) 50% by promotion, failing which by transfer on deputation.</p> <p>(ii) 50% by transfer on deputation, failing which by direct recruitment.</p>	<p>Promotion: Cost Accountants with 3 years regular service in the grade.</p> <p>Transfer on deputation: Officers under the Central /State Governments:—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 2000-3500 or equivalent; or (iii) with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 1640 -2900 or equivalent; or</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience proscribed for direct recruits under column 8.</p> <p>(The Departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).</p>
12	13	
<p>Group B Departmental Promotion Committee (for considering promotion and confirmation) consisting of:</p> <p>1. Deputy Director General- Chairman.</p> <p>2. Director or an officer of equivalent rank of GSI—Member</p> <p>3. Director (Personnel) or an officer of equivalent rank of Geological Survey of India. —Member.</p> <p>Note: - The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public service Commission for approval. If however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	<p>Consultation with the Union Public Service Commission; necessary on each occasion".</p>	

[F.No. A/12018/20/82- M-2]

J.B. MUNIRAJULU, Under Secy.

Foot Note:

The Geological Survey of India (Group A & Group B posts) Recruitment Rules, 1967 were published in the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-Section (i) on 16th December, 1967 as G.S.R. 1883 vide the then Ministry of Steel and Mines and Metals Notification dated 28th November, 1967. These were amended vide Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines and Metals) Notification dated 4th June, 1969 published as G.S.R. 1515 on 28th June, 1969 in the Gazette of India.

The above said rules were further amended vide Ministry of Steel and Mines Notification.

- (1) Dated 26th November, 1973 published on 8th December, 1973 as G.S.R. 1337.
- (2) Dated 20th December, 1973 published on 5th January, 1974 as G.S.R. 14.
- (3) Dated 22nd May, 1974 published on 1st June, 1974 as G.S.R. 502.
- (4) Dated 6th July, 1976 published on 20th July, 1974 as G.S.R. 761.
- (5) Dated 17th November, 1978 published on 4th December, 1976 as G.S.R. 1698.
- (6) Dated 7th March, 1977 published on 26th March, 1978 as G.S.R. 418.
- (7) Dated 18th August, 1978 published on 2nd September, 1978 as G.S.R. 1980.
- (8) Dated 30th September, 1978 published on 21st October, 1978 as G.S.R. 1265.
- (9) Dated 2nd April, 1979 published on 28th April, 1979 as G.S.R. 597.
- (10) Dated 3rd April, 1979 published on 28th April, 1979 as G.S.R. 598.
- (11) Dated 7th November, 1979 published on 24th November, 1979 as G.S.R. 1397.
- (12) Dated 11th April, 1980 published on 26th April, 1980 as G.S.R. 461.
- (13) Dated 19th June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 715.
- (14) Dated 20th June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 716.
- (15) Dated 21st June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 717.
- (16) Dated 23rd June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 718.
- (17) Dated 11th September, 1980 published on 27th September, 1980 as G.S.R. 997.
- (18) Dated 25th May, 1981 published on 13th June, 1981 as G.S.R. 555.
- (19) Dated 16th October, 1981 published on 31st October, 1981 as G.S.R. 966.
- (20) Dated 17th October, 1981 published on 31st October, 1981 as G.S.R. 968.
- (21) Dated 10th December, 1980 published on 3rd January, 1981 as G.S.R. 14.
- (22) Dated 13th August, 1982 published on 28th August, 1982 as G.S.R. 711.
- (23) Dated 9th December, 1982 published on 25th January, 1983 as G.S.R. 1004.
- (24) Dated 14th June, 1983 published on 2nd July, 1983 as G.S.R. 478.
- (25) Dated 15th June, 1983 published on 2nd July, 1983, as G.S.R. 479.
- (26) Dated 25th July, 1983 published on 6th August, 1983 as G.S.R. 584.
- (27) Dated 26th July, 1983 published on 13th August, 1983 as G.S.R. 602.
- (28) Dated 25th August, 1983 published on 17th September, 1983 as G.S.R. 682.
- (29) Dated 2nd November, 1983 published on 17th December, 1983 as G.S.R. 975.
- (30) Dated 12th January, 1984 published on 4th February, 1984 as G.S.R. 107.
- (31) Dated 30th January, 1984 published on 18th February, 1984 as G.S.R. 172.
- (32) Dated 18th June, 1984 published on 30th June, 1984 as G.S.R. 653.
- (33) Dated 4th August, 1984 published on 25th August, 1984 as G.S.R. 900.
- (34) Dated 29th December, 1984 published on 12th January, 1985 as G.S.R. 37.
- (35) Dated 4th January, 1985 published on 19th January, 1985 as G.S.R. 67.
- (36) Dated 5th January, 1985 published on 19th January, 1985 as G.S.R. 685.
- (37) Dated 27th May, 1985 published on 8th June, 1985 as G.S.R. 543.
- (38) Dated 31st July, 1986 published on 31st July, 1986 as G.S.R.
- (39) Dated 5th November, 1986 published on 5-11-86 as G.S.R.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 मई, 1989

सा० का० नि० 387 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना (श्रेणी-4 पद) भर्ती नियमावली 1974 को, जहाँ तक उनका संबंध महिला सहायक के पद से है, उन बातों के सिवाए अधिकांत करने हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में महिला परिवार के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना महिला परिवार (समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, प्राप्ति सीमा और अर्हताएं आदि: उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, प्राप्ति-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता, वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की नावत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूथ सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

क्रम पद का नाम सं०	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	पद द्वारा अच्छा पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6
1. महिलापरिषद	176* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अनुसूचितीय	800-15-1010-द० री०- 1150 रुपये	अचयन	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं		परिक्षा की अवधि यदि कोई हो।	
8		9		10	
लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		2 वर्ष	
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा या विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता		प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।			
11		12			
प्रोन्नति द्वारा		आया और सेवाका, जिसमें न्यूनतम 3 वर्ष नियमित सेवा की है।			
यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना		भर्ती करने में किन-किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परा- मर्श किया जाएगा।			
13		14			
समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:--		लागू नहीं होता			
1. सहायक महानिदेशक (मुख्यालय)--अध्यक्ष					
2. राजपत्रित अधिकारी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो --सदस्य					
3. मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सी० जी० एच० एस०)--सदस्य					
4. संबद्ध प्रशासनिक अधिकारी--सदस्य					

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 10th May, 1989

G.S.R. 387.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Government Health Schemes (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1974, in so far as they relate to the Post of Female Attendant, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Female Attendant, in the Central Government Health Scheme, Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Government Health Scheme, Female Attendant (Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient, so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any clause or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether selection or non selection	Age for direct recruitment
1	2	3	4	5	6
Female Attendant	*176 (1988) *Subject to variation dependent on workload,	General Central Services, Group D, Non-Ministerial.	Rs. 800-15-1010-EB-1150	Non -Selection	Not applicable.
Educational & other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and vacancy to be filled by various Methods	
8	9		10	11	
Not applicable.	Not applicable.		Two years	By Promotion	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its compositions			Circumstance in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
12	13			14	
Ayah and Midwife with a minimum of 3 years regular service.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of 1. Assistant Director General (HQ).—Chairman. 2. Gazetted Officer belonging to SC/ST—Member. 3. Chief Medical Officer (CGHS)—Member. 4. Administrative Officer concerned—Member.			Not applicable.	

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

बंबई, 29 मार्च, 1989

सांका०मि० 388.—परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड विकिरण बचाव नियम, 1971 के नियम 15 के अनुसार में, विकिरण के चिकित्सा संबंधी अनुप्रयोगों के लिए विकिरण पर निगरानी रखने संबंधी निम्नलिखित प्रक्रियाओं को विनिर्दिष्ट करता है :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरम्भ :- (1) इन प्रक्रियाओं का नाम विकिरण के चिकित्सा संबंधी अनुप्रयोगों के लिए विकिरण पर निगरानी रखने संबंधी प्रक्रियाएं, 1989 है।

(2) यह सम्पूर्ण भारत पर लागू होगी।

(3) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगी।

2. परिचय :- इन प्रक्रियाओं में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो।

(क) "पर्याप्त बचाव" से विकिरण से इसी प्रकार से किया गया बचाव अभिप्रेत है कि विकिरण और संदूषण के स्तरों को उतना कम रखा जाए जितना कि यथोचित रूप से रखा जा सकता हो तथा किसी भी मामले में वे स्तर निर्धारित परिचालन संबंधी परिणामों से अधिक न हों पाएँ।

(ख) "समुचित" से वह अभिप्रेत है जो उपयुक्त बचाव सुनिश्चित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की राय में समुचित हो।

(ग) "प्राधिकृत करना" से विकिरण उपस्करों के प्रयोग के लिए सक्षम प्राधिकारी की विधित अनुमति अभिप्रेत है।

(घ) "प्राधिकृत कामिक" से वह कामिक अभिप्रेत है जो विशेष चिकित्सीय निदान अथवा चिकित्सा के लिए रोगी को विकिरण अथवा रेडियोन्यूक्लाइड देने के लिए आवश्यक समुचित अर्हता और अनुभव रखता हो।

(ङ) "चालू करने" से अभिप्रेत है डिजाइन अथवा विनिर्देशों के अनुसार उपस्कर अथवा प्रतिष्ठान की संरक्षा और उसके कार्यनिष्पादन को प्रमाणित करने के लिए यथावश्यक परीक्षण और मापन करने के बाद विकिरण उपस्कर और विकिरण प्रतिष्ठान का उपयोग आरंभ करना।

(च) "सक्षम प्राधिकारी" से इन नियमों को लागू करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करके नियुक्त किया गया अधिकारी या प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(छ) "अंतिम रूप से बंद करना" से किसी विकिरण उपस्कर अथवा विकिरण प्रतिष्ठान के उपयोग का सभी रेडियोधर्मी पदार्थों को वहां से हटाने के बाद, विकिरण उपस्कर को विखण्डित करके अथवा विखण्डित किए गए बिना स्थायी आधार पर बंद किया जाना अभिप्रेत है;

(ज) "नियोजित" से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो विकिरण प्रतिष्ठान में विकिरण श्रमिक नियुक्त करता हो अथवा जो एक मात्र विकिरण श्रमिक के रूप में स्वयं नियुक्त हो;

(झ) "बाह्य जोखिम" से अभिप्रेत है स्वास्थ्य संबंधित वे जोखिम जो प्रभावित व्यक्ति के शरीर से बाहर स्थित स्रोत से उत्पन्न आयनन विकिरण के कारण हो;

(ञ) "हैंडल करना" से अभिप्रेत है विनिर्माण, कटने में रखना, भंडारण, उपयोग करना, विक्रय द्वारा या अन्यथा अन्तरण, निर्यात, आयात, परिवहन या निपटान।

(ट) "आन्तरिक जोखिम" से अभिप्रेत है स्वास्थ्य संबंधित वे जोखिम जो प्रभावित व्यक्ति के शरीर के अन्दर स्थित स्रोत से उत्पन्न आयनन विकिरण के कारण हो;

(ड) "लार्डसेंसधारी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के नियम 3 के अधीन लार्डसेंस दिया गया है;

(ड) "प्रचालन सीमाओं" से अभिप्रेत है विकिरण के स्तरों या संदूषण के स्तरों के संबंधित ऐसी सीमाएं जिन्हें सक्षम प्राधिकारी, अधिसूचना द्वारा, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे;

(इ) "योजना बनाना" से उपयुक्त (i) भवन के अभिन्यास,

(ii) विकिरण से परिरक्षण, (iii) बचाव उपस्कर तथा (iv) प्रचालन प्रक्रियाओं संबंधी उपयुक्त पदार्थों की योजना रख सुनिश्चित करने के लिए बनाना अभिप्रेत है कि रेडियोधर्मी सामग्री अथवा विकिरण उपस्करों का काम में लाते समय तथा प्रस्तावित विकिरण प्रतिष्ठान में संबंधित प्रचालन करने समय पर्याप्त बचाव किया जा सके;

(ण) "गुणवत्ता निश्चय परीक्षणों" से विकिरण उपस्करों के कार्य-निष्पादन तथा विषयसूचीयता को उनके डिजाइनसंबंधी विनिर्देशों के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले परीक्षण अभिप्रेत हैं;

(त) "विकिरण" अथवा "आयनन विकिरण" से अभिप्रेत है गामा किरण, एक्स-किरणें तथा ऐसी किरणें जिनमें एक कण, बीटा कण, न्यूट्रॉन प्रोटॉन तथा अन्य नाभिकीय और अल्प-परमाणु कण शामिल हों। किन्तु ध्वनि अथवा रेडियो तरंगें, अथवा दृश्य अथवा अदृश्य अथवा पराबैंगनी प्रकाश अभिप्रेत नहीं हैं।

(थ) "विकिरण उपस्करों" में वे उपस्कर तथा युक्तियां जो रेडियोधर्मी सामग्रियों से युक्त हों तथा विकिरण उत्पन्न करने वाले वे संयंत्र और उपकरण जिनके अन्तर्गत एक्स-किरणें उत्पन्न करने वाले संयंत्र और उपस्कर, चिकित्सा कार्यों में प्रयोग होने वाले स्वरक तथा न्यूट्रॉन जनित्र भी आते हैं, शामिल हैं।

(द) "विकिरण प्रतिष्ठान" से ऐसा कोई स्थान अथवा स्थिति अभिप्रेत है जिसकी विकिरण संबंधी निगरानी सक्षम प्राधिकारी की राय में आवश्यक हो। विकिरण प्रतिष्ठानों में ऐसे सभी स्थान शामिल हैं जहां रेडियोधर्मी सामग्री अथवा विकिरण उपस्कर प्रयोग में लाए जाते हैं अथवा जहां संबंधित प्राधिकार तथा प्रचालन किए जाते हैं;

(ध) "विकिरण निगरानी" से वे उपाय अभिप्रेत हैं जिन्हें सक्षम प्राधिकारी ने सामान्य रूप में अथवा किसी भी मामले में पर्याप्त बचाव की व्यवस्था करने के लिए विनिर्दिष्ट किया हो। इन उपायों में वे उपाय तथा प्रक्रिया शामिल हैं जिन्हें इन "प्रक्रियाओं" के अन्तर्गत चिकित्सा में विकिरण के प्रयोग के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है।

(न) "विकिरण-चिकित्सा संरक्षा अधिकारी" से कोई भी ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो नियोजित द्वारा इस प्रकार पदानिहित किया गया हो और जो सक्षम प्राधिकारी की राय से, नियमों में बताए गए कार्यों का निर्वहन करने के लिए अर्हता प्राप्त हो;

(प) "नियमों" से विकिरण संरक्षण नियम, 1971 अभिप्रेत है;

(फ) ऐसे शब्दों एवं अभिव्यक्तियों का जो इन प्रक्रियाओं में परिभाषित नहीं हैं किन्तु नियमों में परिभाषित हैं, श्रमण : वही अर्थ होगा जो उनका इन नियमों में है।

3. विकिरण पर निगरानी रखने संबंधी कार्यक्रम के उद्देश्यः—

(1) नियोजित यह सुनिश्चित करेगा कि विकिरण प्रतिष्ठानों, विकिरण उपस्करों तथा रेडियोधर्मी सामग्रियों से संबंध सभी प्रक्रिया तथा प्रचालन यथेष्ट बचाव की सुनिश्चितता के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित पूर्वयोजित निगरानी कार्यक्रम के अनुसार किए गए हैं।

(2) निगरानी कार्यक्रम के साथ-साथ निम्नलिखित भी शामिल होंगीः—

(i) यथेष्ट बचाव सुनिश्चित करने के लिए विकिरण उपस्कर और

विकिरण प्रतिष्ठानों दोनों के संबंध में उपयुक्त अस्तित्वित संरक्षा साधनों का प्रावधान करना :

(ii) विकिरण मापने और उसकी संवीक्षा करने के लिए उपयुक्त यंत्रों अथवा उपकरणों का प्रावधान करना और उनका उपयोग करना ; तथा

(iii) सुरक्षा संबंधी सभी प्राचनों और प्रणालियों की आवश्यक संवीक्षा करना ताकि उनका निरन्तर संतोषजनक कार्य निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके ।

4. निर्देश अथवा प्राधिकार :— (1) विकिरण उपस्कर अथवा रेडियोधर्मी सामग्री का प्रयोग करने का दुरुपुक्त कोई नियोजित सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बाव ही ऐसा कर सकेगा ।

(2) वह इस प्रकार की अनुमति के लिए सक्षम प्राधिकारी को आवेदन करेगा जो उसे ऐसी सामग्री अथवा उपस्कर का प्रयोग करने के लिए सक्षम अधिकारी से लाईसेंस प्राप्त प्राधिकार दोनों में से किसी एक रूप में दी जाएगी

5. उद्देश्य को डिजाइन सहजता :— (1) सभी विकिरण उपस्करों और बचाव के काम आने वाले उपस्करों तथा उनके सहायक कनपुर्ज आवि का डिजाइन और निर्माण उनके परिरक्षण की पर्याप्तता और प्रचालन संबंधी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा ।

(2) सभी रेडियोधर्मी स्रोतों और उनके सहायक उपकरणों के डिजाइन तैयार करने और उनके निर्माण का काम इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा कि सामान्य स्थिति तथा दुर्घटना की स्थितियों में उपयोग करते समय उनमें रेडियोधर्मिता पूर्ण तरह से संरोधित रहे और उनसे विकिरण संबंधी संरक्षा बनी रहे ।

(3) बाह्य खतरों में बचाव की व्यवस्था निम्नलिखित बातों के विवेकपूर्ण मितान के द्वारा की जाएगी :— स्रोत के प्रयोग में बहुत ही कम समय का इस्तेमाल, उपभोक्ता और स्रोत के बीच अधिकतम संभाव्य दूरी रखना तथा स्रोत के चारों ओर तुरन्त उपयुक्त परिरक्षण करना ।

(4) रेडियोधर्मी सामग्रियों का उपयुक्त संशोधन सुनिश्चित रखने, पूर्वनिर्धारित उचित प्रचालन प्रक्रियाएं चलाने तथा दुर्घटना होने अथवा रेडियोधर्मी सामग्री के बिखर जाने पर संदूषण को फैलने से रोकने के लिए उचित कार्यवाई करने जैसे उपाय अपनाकर अर्थात् विकिरण के प्रसार की व्यवस्था की जाएगी ।

(5) (क) देश में बनाए जाने वाले प्रत्येक किस्म के विकिरण उपस्कर के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी ।

(ख) विकिरण उपस्कर का आयात करने अथवा निर्यात करने से पहले सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी ।

6. विकिरण प्रतिष्ठापन की योजना :— (1) विकिरण प्रतिष्ठापन का स्थान तथा उसकी योजना इस प्रकार होगी कि कर्मचारियों, रोगियों तथा जन-सामान्य का पर्याप्त बचाव सुनिश्चित हो सके ।

(2) इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए किए जाने वाले उपयुक्त उपायों में निम्नलिखित उपाय शामिल होंगे ;

(i) किसी विकिरण, प्रतिष्ठापन में विकिरण उपकरण और रेडियोधर्मी सामग्रियों का हस्तन करने की सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर होंगी ।

(ii) विकिरण प्रतिष्ठापन को आविष आबादी वाले क्षेत्रों, जहां चिकित्सा और प्रशुति बाड़ों तथा संस्थान की ऐसी अन्य सुविधाओं, जो विकिरण और उसके प्रयोग से सीधे संबंधित न हों, से यथासंभव दूरी पर स्थापित किया जाएगा ;

(iii) विकिरण प्रतिष्ठापन और संरक्षा उपस्कर का निष्काट इस प्रकार से तैयार किया जाएगा कि विकिरण हस्तन संबंधी सभी कार्य सुरक्षापूर्वक किए जा सकें ।

7. विकिरण उपस्कर अथवा विकिरण प्रतिष्ठापन का बालू होना :— किसी विकिरण उपस्कर अथवा विकिरण प्रतिष्ठापन को उसके डिजाइन, योजना, निर्माण और प्रचालन संबंधी सभी पहलुओं पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृति मिलने के बाव ही बालू किया जाएगा ।

8. विकिरण की सहायता से चिकित्सा करने वाले प्रतिष्ठान में कार्य करने की परिस्थितियों का प्रत्येक नियोजित द्वारा सुनिश्चित रखा जाना :— (1) केवल प्राधिकृत व्यक्ति ही रोगी के शरीर में विकिरण अथवा रेडियोधर्मी समस्थानिक प्रविष्ट कराएगा ।

(2) रेडियोधर्मी सामग्रियों के भंडारण, औपधि के रूप में तैयार करने, परिवहन, अनुप्रयोग, जिसमें उम्र सामग्री का शरीर में प्रवेश करना भी शामिल है, तथा निपटान के लिए उपयुक्त सुविधाएं नियोजित द्वारा सदैव उपलब्ध कराई जाएंगी ।

(3) सभी विकिरण उपस्करों तथा सहायक उपकरणों के गुणवत्ता संबंधी परीक्षण समय समय पर किए जाएंगे तथा इन सभी परीक्षणों का रिकार्ड ठीक तरह से रखा जाएगा ।

(4) विकिरण से बचाव संबंधी कार्यक्रम जिसमें विकिरण संबंधी निगरानी के लिए सभी इन-हाउस अपासों और प्रक्रियाओं तथा नियमों के अस्तित्व कार्य करना भी शामिल है, को कार्यान्वित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से नियोजित द्वारा एक योग्य विकिरण चिकित्सा संरक्षा अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी ।

(5) विकिरण संबंधी काम करने वाले प्रत्येक कर्मचारी द्वारा सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित संरक्षा उपस्कर तथा बचाव सुविधों का पूरी तरह से उपयोग करके अपने तथा अन्य कर्मचारियों के बचाव की गंभीरता देखभाल की जाएगी ।

(6) रेडियोधर्मी सामग्रियों को क्षतिग्रस्त होने अथवा उन्हें गम न होने देने अथवा छड़ छड़ न होने देने के लिये उपयुक्त उपाय किए जाएंगे । इन उपायों में निम्नलिखित उपाय शामिल होंगे :—

(i) सौल बंद स्रोतों के मामले में उस स्रोत की अखण्डता का पता लगाने के लिए उपयुक्त परीक्षण सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करना,

(ii) सभी प्रकार की रेडियोधर्मी सामग्रियों जिनमें ऐसे भुक्तरोप स्रोत भी शामिल हैं जिनका प्रयोग नहीं किया जा रहा हो तथा जिनका निपटान किया जाना हो, का आवश्यकतानुसार नियमित रूप से स्टाक मिलान करना ;

(iii) गुप्त हुए अथवा गलत जगह पर रखे गए स्रोतों को ढूँढने तथा बरामद करने की उपयुक्त सुविधाएं जिनमें विकिरण मापने वाले यंत्रों की उपलब्धता भी शामिल है ।

(7) (क) सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत उचित हस्तन प्रक्रियाओं द्वारा उन स्रोतों को जो सौल बंद नहीं हैं, बिखरने से बचाया जाएगा ।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत विस्फूषण संबंधी उपयुक्त सुविधाएं विकिरण संस्थापनों में तात्कालिक प्रयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी ।

(8) क्षतिग्रस्त अथवा भुक्तरोप स्रोतों को प्रभावी रूप से अलग रखा जाएगा तथा उनको और आगे उपयोग में नहीं लाया जाएगा ।

(9) स्रोतों के क्षतिग्रस्त होने, छड़-उत्तर हो जाने अथवा गुप्त होने के बारे में सूचना सक्षम प्राधिकारी को तुरन्त दी जाएगी ।

9. रेडियोधर्मी बहिलवों के निपटान की प्रक्रियाएं :— (1) रेडियोधर्मी सामग्रियों के चिकित्सा संबंधी अनुप्रयोगों के परिणामस्वरूप गैसीय रेडियोधर्मी बहिलवों को धूमटोपी (स्यूम हुड) अथवा अन्य उपयुक्त निर्धारित प्रणाली के जरिए पर्यावरण में इस तरीके के उन्मुक्त किया जाएगा कि वायु में संदूषण के प्रभावी होने की सीमाएं, सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सीमाओं से अधिक न होने पाएँ ।

(2) डोस और द्रव रेडियोधर्मि अवशिष्ट पदार्थों का निपटारा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार किया जाएगा।

(3) रेडियोधर्मि सामग्रियों में युक्त शर्षों और अस्थिपंजनों का निपटारा विकिरण चिकित्सा संरक्षा अधिकारी की निगरानी में तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार किया जाएगा।

10. प्रत्येक नियोक्ता द्वारा बचाव संबंधी चौकसी सुनिश्चित करने

(1) विकिरण संबंधी कार्य करने वाले सभी व्यक्तियों को उद्भूत वैश्विक मानकीकरण यन्त्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

(2) दिन-प्रतिदिन के प्रयोग के लिए विकिरण मापने वाले उपयुक्त उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

(3) विकिरण मापने वाले उपकरण अच्छी चालु हालत में रखे जाएंगे तथा नियमित रूप से उनका अंशोन्मूलन किया जाएगा।

(4) विकिरण चिकित्सा संरक्षा अधिकारी विकिरण संबंधी काम करने वाले सभी व्यक्तियों की उनकी नियुक्ति होने पर तथा उनके द्वारा विकिरण संबंधी काम शुरू किये जाने से पहले विकिरण बचाव संबंधी उपयुक्त प्रशिक्षण देगा तथा उन कामियों को नवीनतम उपकरणों, प्रक्रियाओं और कार्य-पद्धति के बारे में पूरी जानकारी देने के लिए आवश्यक पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे।

(5) जिन रोगियों के शरीर में हटाए जाने योग्य सोलबंद विकिरण स्रोत लगे हों उन्हें अस्पताल में दाखिल किया जाएगा तथा उन रोगियों और स्रोतों की जांच साप्ताहिकी पूर्वक की जाती रहेगी ताकि वे खोल गृभ न हों अथवा हृदय उल्टर न होने पाए।

(6) जिन रोगियों के शरीर में बिना सील बंद विकिरण सामग्री प्रविष्ट करवाई गई हो अथवा स्थायी रूप से लगाई गई हों, उनकी देख-भाल ऐसी प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट की गई हों।

11. विकिरण सम्बन्धी निगरानी :— विकिरण सम्बन्धी काम करने वाले सभी कामियों की जांच ऐसी उचित चिकित्सा संबंधी निगरानी की प्रक्रियाओं की सहूलता से की जाएगी जो सक्षम प्राधिकारी ने समय-समय पर विनिर्दिष्ट की हों।

12. अभिलेखों का अनुपक्षण :—(1) विकिरण चिकित्सा संरक्षा अधिकारी लागू बूक रखेगा जिनमें सभी विकिरण स्रोतों के लाने ले जाने आदि का रिकार्ड रखा जाएगा जिसमें स्रोतों की आसद, अंशारण, सूची रचना, देना, परिवहन, शरीर में प्रविष्ट कराना, अनुप्रयोग, हटाना और निपटारा शामिल हों।

(2) कामियों पर पड़े विकिरण के प्रभाव की मात्रा, क्षेत्र सर्वेक्षणों, विकिरण संबंधी दुर्घटनाओं और पाई गई कमियों को दूरी करने के उपायों के संबंध में की गई कार्रवाई से संबंधित लागू बूक विकिरण चिकित्सा संरक्षा अधिकारी द्वारा रखी जाएगी।

(3) विकिरण उपकरणों और रेडियोधर्मि सामग्रियों का प्रयोग करने वाले अधिकृत व्यक्तियों का रिकार्ड विकिरण चिकित्सा संरक्षा अधिकारी द्वारा रखा जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस प्रकार के उपकरणों और सामग्रियों का उपयोग अनाधिकृत कामियों द्वारा नहीं किया जा रहा है।

(4) नियोक्ता सभी चिकित्सा संबंधी परीक्षणों का रिकार्ड उन परीक्षणों की गोपनीयता को तथा चिकित्सा संबंधी आचार शास्त्र को समुचित रूप से ध्यान में रखते हुए रखेगा।

(5) प्रत्येक नियोक्ता यह सुनिश्चित करेगा कि उद्भूत आवश्यकताओं का अनुपालन हो तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उचित समयावधि तक रिकार्ड रखेगा।

13. विकिरण प्रतिष्ठानों अथवा उपकरणों का अंतिम रूप से बंद किया जाना :—(1) विकिरण प्रतिष्ठानों अथवा विकिरण उपकरणों को अंतिम रूप से बंद करने की प्रक्रियाओं में विकिरण स्रोतों, संवृणित पदार्थों और सामग्रियों का सुरक्षापूर्वक निपटारा करना तथा सभी प्रभावित क्षेत्रों को विसंदिष्ट करना शामिल होगा।

(2) किसी प्रचालन को अंतिम रूप से बंद करने के लिए नियोक्ता सक्षम प्राधिकारी से पूर्ण अनुमति लेगा।

14. संहिताएं तथा संदर्शिकाएं (गाइड) :—चिकित्सा में विकिरण के विभिन्न अनुप्रयोगों में उद्भूत रखने संबंधी संहिताएं और संदर्शिकाएं भी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी की जाएगी ताकि इन चौकसी प्रक्रियाओं और नियमों के अन्तर्गत अन्य संगत आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित रहे।

15. नियोक्ता के दायित्व :—(1) इन चौकसी प्रक्रियाओं तथा इन संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी की गई संहिताओं और संदर्शिकाओं को प्रभावी रूप से समय में लाने के लिए निम्नलिखित ही गोपनीय जिम्मेदार होगा।

(2) नियोक्ता यह सुनिश्चित करेगा कि उसके द्वारा नियुक्त विकिरण संबंधी कार्य करने वाले सभी कामियों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी की गई चौकसी प्रक्रियाओं तथा संहिताओं और संदर्शिकाओं के बारे में जानकारी दी गई है।

(3) नियोक्ता विकिरण चौकसी संबंधी सभी अन्य विशेष प्रक्रियाओं का अनुपालन करेगा जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की गई हों।

[मं.प.ई.आर.जी.01/18/105/1681]

अरुण कुमार मे, अध्यक्ष

ATOMIC ENERGY REGULATORY BOARD

Bombay, the 29th March, 1989

G.S.R. 388.—In pursuance of rule 15 of the Radiation Protection Rules, 1971, the Atomic Energy Regulatory Board, hereby specifies the following radiation surveillance procedures for medical applications of radiation, namely :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) These procedures shall be called the Radiation Surveillance Procedures for Medical Applications of Radiation, 1989.

(2) It shall apply to the whole of India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these procedures, unless the context otherwise requires,—

(a) “adequate protection” means protection against radiation so provided that the levels of radiation and contamination are kept as low as reasonably achievable and in no case exceed the prescribed operational limits;

(b) “appropriate” means appropriate in the opinion of the competent authority to ensure adequate protection;

(c) “authorisation” means written permission of the competent authority to handle radiation equipment;

(d) “authorised personnel” means personnel with appropriate qualifications and experience necessary to administer radiation or radionuclides to the patient for the specific medical diagnosis or therapy;

(e) “commissioning” means starting the use of radiation equipment or radiation installation subsequent to performing such tests and measurements as are necessary to confirm the safety and performance of the equipment or installation in accordance with the design intent or specifications;

- (f) "competent authority" means any officer or authority appointed by the Central Government by notification to enforce the Rules;
- (g) "decommissioning" means discontinuation of the use of radiation equipment or radiation installation on a permanent basis, with or without dismantling the radiation equipment, after all radioactive materials have been removed from it;
- (h) "employer" means any person who employs radiation workers or who is self-employed as the only radiation worker in a radiation installation;
- (i) "external hazards" means health related hazards due to exposure to ionising radiation originating from a source located external to the body of the exposed person;
- (j) "handle" means manufacture, possess, store, use, transfer by sale or otherwise, export, import, transport or dispose of;
- (k) "internal hazards" means health related hazards due to exposure to ionising radiation originating from a source located internal to the body of the exposed person;
- (l) "licensee" means a person who has been granted a licence under rule 3 of the Rules;
- (m) "operational limits" means limits on levels of radiation or levels of contamination as the competent authority may, by notification, specify from time to time;
- (n) "planning" means planning for the provision of appropriate (i) building layout, (ii) radiation shielding, (iii) protection equipment and (iv) operational procedures, to ensure adequate protection in course of handling radioactive material or radiation equipment and performing related operations in the proposed radiation installation;
- (o) "quality assurance tests" means conducted to ensure performance and reliability of the radiation equipment in accordance with the design specifications;
- (p) "radiation" or ionising radiation means gamma rays, x-rays, rays consisting of alpha particles, beta particles, neutrons, protons and other nuclear and sub-atomic particles but not sound or radiowaves, or visible infra-red or ultra-violet light;
- (q) "radiation equipment" includes equipment or appliances incorporating radioactive materials, and radiation generating plants and equipment including those generating x-rays, medical accelerators, and neutron generators;
- (r) "radiation installation" means any location or facility which in the opinion of the competent authority requires radiation surveillance and includes all locations where radioactive materials or radiation equipment is handled or related procedures and operations are carried out;
- (s) "radiation surveillance" means measures that may be specified by the competent authority to provide adequate protection either generally or in any individual case and include the measures and procedures specified in these procedures for medical applications of radiation;
- (t) "Radiological Safety Officer" means any person who is so designated by the employer and who, in the opinion of the competent authority, is qualified to discharge the functions mentioned in the Rules;
- (u) "Rules" means the Radiation Protection Rules, 1971;
- (v) words and expressions not defined in these procedures, but defined in the Rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Rules.

3. Objectives of a radiation surveillance programme.—(1) The employer shall ensure that all procedures and operations

involving radiation installations, radiation equipment and radioactive materials are performed in conjunction with a pre-planned surveillance programme approved by the competent authority so as to ensure adequate protection.

(2) The surveillance programme shall, inter-alia, include:

- (i) the provision of appropriate built-in safety features in respect of both radiation equipment and radiation installations to ensure adequate protection;
- (ii) the provision and use of appropriate radiation measuring and monitoring devices or instruments; and
- (iii) the periodic monitoring of all safety related parameters and systems to ensure their continued satisfactory performance.

4. Licence or authorisation.—(1) Any employer desirous of handling a radiation equipment or radioactive material, shall do so only after obtaining prior permission of the competent authority.

(2) He shall apply to the competent authority for such permission which will be granted to him in the form of either a licence or an authorisation from the competent authority for the handling of such material or equipment.

5. Design safety of equipment.—(1) All radiation equipment and protective equipment and their accessories shall be appropriately designed and constructed with due regard to their shielding adequacy and operational safety.

(2) All radioactive sources and their associated assemblies shall be designed and constructed with due regard to their containment integrity and radiation safety in normal use as well as in accident conditions.

(3) Protection against external hazards shall be provided by employing a judicious combination of factors such as minimum source handling time, optimal source to user distance and appropriate shielding immediately around the source in the most efficient configuration.

(4) Protection against internal hazards shall be provided by measures such as ensuring appropriate containment of radioactive materials, choosing proper predetermined operating procedures and taking appropriate measures to limit the extent of spread of contamination in the event of accident or spills.

(5) (a) Approval of the competent authority shall be obtained for each type of radiation equipment manufactured in the country.

(b) Approval of the competent authority shall be obtained prior to the import or sale of radiation equipment.

6. Planning of a radiation installation.—(1) The location and planning of a radiation installation shall be such as to ensure adequate protection to the members of the staff, patients and the public.

(2) Appropriate measures to achieve this objective shall include the following measures, namely:

- (i) a radiation installation shall have integrated facilities at one location for the handling of radiation equipment and radioactive materials;
- (ii) a radiation installation shall be located as far away as feasible from high occupancy areas, paediatric and maternity wards and other facilities of the institution that are not directly related to radiation and its use;
- (iii) the layout of a radiation installation and safety equipment shall be so planned that all the radiation handling operations can be performed in a safe manner.

7. Commissioning of a radiation equipment or radiation installation: Any radiation equipment or radiation installation shall be commissioned only after all aspects including design, planning, construction and operation have been duly approved by the competent authority.

8. Working conditions in a medical radiation installation to be ensured by every employer.—(1) Only authorised personnel shall administer radiation or radioisotopes to a patient.

(2) Appropriate facilities shall be provided by the employer at all times for storage, dispensing, transport, use including administration, and disposal of radioactive materials.

(3) Quality assurance tests shall be performed periodically on all radiation equipment and accessories and records of all these tests shall be maintained properly.

(4) A qualified Radiological Safety Officer shall be appointed by the employer with the approval of the competent authority to implement the radiation protection programme including all in house radiation surveillance measures and procedures and to discharge the functions under the Rules.

(5) Reasonable care shall be exercised by each radiation worker to protect himself and others by making full use of safety equipment and protection devices by the competent authority.

(6) Appropriate steps shall be taken to prevent damage to, or loss or misplacement of radioactive materials and such steps shall include—

(i) appropriate source integrity tests for sealed sources as laid down by the competent authority;

(ii) regular stock taking as may be necessary of all radioactive materials including spent sources that may not be in use and are awaiting disposal; and

(iii) appropriate facilities, including availability of radiation measuring instruments, for the search and recovery of lost or misplaced sources.

(7) (a) Spillage of unsealed sources shall be avoided by proper handling procedures approved by the competent authority.

(b) Appropriate decontamination facilities approved by the competent authority shall be provided for ready use in the radiation installation.

(8) Damaged or spent sources shall be effectively isolated and shall not be used further.

(9) The competent authority shall be informed forthwith of any damage, misplacement or loss of sources.

9. Disposal procedures for radioactive effluents.—(1) The gaseous radioactive effluents resulting from medical applications of radioactive materials may be released to the atmosphere through a fumehood or other appropriate exhaust system in such a way that the operational limits for contamination in air, laid down by the competent authority, are not exceeded.

(2) Solid and liquid radioactive wastes shall be disposed of in accordance with the guidelines that may be issued by the competent authority.

(3) Cadavers and carcasses containing radioactive materials shall be disposed of under the supervision of the Radiological Safety Officer and in accordance with the guidelines that may be issued by the competent authority.

10. Protection Surveillance to be ensured by every employer.—(1) All radiation workers shall be provided with appropriate personnel monitoring devices.

(2) Appropriate radiation measuring instruments shall be provided for day to day use.

(3) The radiation measuring instruments shall be maintained in good working condition and calibrated regularly.

(4) The Radiological Safety Officer shall impart appropriate radiation protection training to all radiation workers on their employment before they start radiation work and periodic refresher courses shall be conducted to keep these workers abreast in respect of latest equipment, procedures and work practices.

(5) Patients with removable sealed radioactive sources in their body shall be hospitalised and a careful check shall be maintained on such patients and sources to avoid loss or misplacement of such sources.

(6) Patients administered with unsealed radioactive material or with permanent implants shall be dealt with in accordance with procedures that may be specified by the competent authority.

ance with procedures that may be specified by the competent authority.

11. Medical Surveillance.—All radiation workers shall be subject to appropriate medical surveillance procedure as may be specified from time to time by the competent authority.

12. Maintenance of records.—(1) The Radiological Safety Officer shall maintain log books showing records of movements of all radiation sources including their arrival, storage, inventory, dispensing, transport, administration, use, removal and disposal.

(2) Log books of personnel doses, area surveys, radiation incidents and remedial actions taken, shall be maintained by the Radiological Safety Officer.

(3) The Radiological Safety Officer shall maintain records of persons authorised to handle radiation equipment and radioactive materials in order to ensure that such equipment or materials are not used by unauthorised personnel.

(4) Records of all medical examinations shall be maintained by the employer with due regard to their confidential nature and medical ethics.

(5) Every employer shall ensure compliance with the above requirements and maintain the records for appropriate periods as may be specified by the competent authority.

13. Decommissioning of a radiation installation or equipment.—(1) Procedures for decommissioning of a radiation installation or radiation equipment shall include safe disposal of radiation sources, contaminated objects and materials and decontamination of all affected areas.

(2) The employer shall obtain prior permission from the competent authority for undertaking any decommissioning operation.

14. Codes and Guides.—The competent authority may also issue from time to time, Codes and Guides governing the safety in the various medical applications of radiation in order to enable compliance with these surveillance procedures and other relevant requirements under the Rules.

15. Responsibilities of the employer.—(1) The employer shall be directly responsible for the effective implementation of these surveillance procedures and Codes and Guides issued by the competent authority in this behalf.

(2) The employer shall ensure that all radiation workers in his employment are informed of surveillance procedures and Codes and Guides that may be issued by the competent authority from time to time.

(3) The employer shall comply with any other special radiation surveillance procedure that may be specified by the competent authority from time to time.

[No. AERB/01/18/105/1681]

A. K. DE, Chairman

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 मई, 1989

सा० का० नि० 389,— अन्नक खान श्रम कल्याण विधि नियम, 1948 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार अन्नक खान श्रम कल्याण विधि अधिनियम, 1946 (1946 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) के अपेक्षा-नुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिसके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किसी ऐसे श्रमिकों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्राश्न नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम अधक खान श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. अधक खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1948 में, नियम 11 में,
(क) उपनियम (1) में "यात्रा और दैनिक भत्ता" शब्दों के पश्चात्
"और सवारी भत्ता" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) को काट दिया जाएगा।

(ग) उपनियम (3) को उपनियम (2) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम में "या दैनिक भत्ता" शब्दों के पश्चात् "या सवारी भत्ता" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[फा० सं० एम-23013/5/87-उन्मू० 11(i)]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 12th May, 1989

G.S.R. 389.—The following drafts of certain rules further to amend [The Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948 which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 6 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948, in rule 11,

(a) in sub-rule (1), after the words "travelling and daily allowance", the words, "and conveyance allowance" shall be inserted.

(b) Sub-rule (2) shall be deleted.

(c) Sub-rule (3) shall be re-numbered as sub-rule (2) and in the sub-rule so re-numbered after the words "or daily allowance" the words "or conveyance allowance" shall be inserted.

[F. No. S-23013/5/87-W.II(i)]

सा० का० नि० 390.— चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1973 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्राश्न जिसे केन्द्रीय सरकार चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राश्न पर हम अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किसी ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्राश्न की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त हों, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्राश्न नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1973 में, नियम 10 में;

(क) उपनियम (1) में, "यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता" शब्दों के पश्चात् "और सवारी भत्ता" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) को काट दिया जाएगा;

(ग) उपनियम (3) को उपनियम (2) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम में "या दैनिक भत्ता" शब्दों के पश्चात् "या सवारी भत्ता" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[सं० एम-23013/5/87-उन्मू० II (ii)]

पार टिप्पण—मूल नियम भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) में अधिसूचना सा० का० नि० सं० 1273 तारीख 15 नवम्बर, 1973 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए :—

क्रम सं०	अधिसूचना सं०	तारीख
1.	सा० का० नि० 255	5 फरवरी, 1976
2.	सा० का० नि० 1063	8 अगस्त, 1978
3.	सा० का० नि० 550	1 मई, 1982
4.	सा० का० नि० 487	17 जून, 1983
5.	सा० का० नि० 235	19 मार्च, 1987

G.S.R. 390.—The following draft of certain rules further to amend The Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by Section 16 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called The Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, in Rule 10 (a) in sub-rule (1), after the words "travelling allowance and daily allowance", the words, "and conveyance allowance" shall be inserted.

(b) Sub-rule (2) shall be deleted.

(c) Sub-rule (3) shall be re-numbered as sub-rule (2) and in the sub-rule so re-numbered after the words "or daily allowance" the words "or conveyance allowance" shall be inserted.

[No. S-23013/5/87-W.II(ii)]

Foot Note : Principal Rules were published vide Notification GSR No. 1273 dated the 15th November, 1973 published in the Gazette of India, Part II Section 3 sub-section (1) and subsequently amended by :—

S. No.	Notification No.	dated
1.	GSR 255	5th February, 1976
2.	GSR 1063	8th August, 1978
3.	GSR 550	1st May, 1982
4.	GSR 487	17 June, 1983
5.	GSR 235	18th March, 1987

सां. कां. निं. 391—लोह अयस्क खान, मैंगनीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार लोह अयस्क खान और मैंगनीज अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) को अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाय है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उससे पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम लोह अयस्क खान, मैंगनीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. लोह अयस्क खान, मैंगनीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 में, नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित रखे जाएंगे, अर्थात्:—

"8. सदस्यों को देय भत्ता :

(1) "प्रत्येक गैर सरकारी सदस्य वित्त मंत्रालय के कार्यालय जापन सं. एफ.ओ. (26)—ई.ओ. 4/59—तारीख 5 सितम्बर, 1960 में, जो तत्काल प्रवृत्त है, अनुविष्ट अनुदेशों के अनुसार यात्रा भत्ता, दैनिक और सड़ाने भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) इस नियम के अधीन भत्ता गैर सरकारी सदस्यों द्वारा इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर ही अनुज्ञेय होगा कि उन्होंने यात्राओं और विरामों के संबंध में यात्रा, दैनिक या गवारी भत्ते का किसी अन्य श्रोत से वादा नहीं किया है या उसे नहीं लिया है।"

3. नियमों की अनुसूची 1 को काट दिया जाएगा।

[कां. सं. एम-33013/5/87-इक्यू. II(iii)]

पाठ टिप्पण

नूतन नियम भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (1) तारीख 28 अगस्त, 1978 में अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 1064 तारीख 9 अगस्त, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् उन्हें निम्नलिखित द्वारा संशोधित किया गया:—

1. भारत के राजपत्र, भाग 2 के पृष्ठ 2219 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 921 तारीख 14 सितम्बर, 1981
2. अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 535 (अ) तारीख 28 जून, 1983
3. अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 430 तारीख 15-4-1985
4. अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 234 तारीख 19-3-1987

G.S.R. 391.—The following draft of certain rules further to amend the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 12 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, for Rule 8, the following shall be substituted, namely :—

"8. Allowance payable to members :

(1) "Every non-official member, shall be entitled to receive travelling allowance, daily allowance and conveyance allowance in accordance with the instructions contained in Ministry of Finance O. M. No. 6(26)-E-IV/59 dated 5th September, 1960 as for the time being in force.

(2) The allowances under this rule shall be admissible only on production of a certificate by the non-official members to the effect that they have not claimed or drawn travelling, daily or conveyance allowance in respect of journeys and halts from any other source."

3. Schedule-I of the Rules shall be deleted.

[F. No. 23013/5/87-W.II(iii)]

Foot Note : Principal Rules published vide notification G.S.R. No. 1064 dated 9th August, 1978 in the Gazette of India Part II Section 3 sub-section (i) dated 28th August, 1978.

Subsequently amended vide (1) Notification GSR No. 921 dated 14th September, 1981 published at page 2219 of the Gazette of India Part II.

(2) Notification No. GSR 535(E) dated 28th June, 1983.

(3) Notification No. GSR 430 dated 15-4-1987.

(4) Notification No. GSR 234 dated 19-3-87.

सां. कां. निं. 392.—बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 62) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) को अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि नियम, 1978 में, नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“8. सदस्यों को देय सन्ने—

(1) “प्रत्येक गैर सरकारी सदस्य, जिसके अन्तर्गत नियम 7 के अर्थात् सहयोगित गैर सरकारी सदस्य भी है, वित्त मंत्रालय के कार्यालय जापन सं० एफ० 6 (26)—ई० 4/59 तारीख 5 सितम्बर, 1960 में, जो तत्समय प्रचलन में, अन्तर्गत अनुदेशों के अनुसार यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता और सवारी भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) इस नियम के अर्थात् भत्ता गैर सरकारी सदस्यों द्वारा इन प्रावधानों का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर ही अनुज्ञेय होगा कि उन्होंने यात्राओं और विरामों के संबंध में यात्रा, दैनिक या सवारी भत्ते का किसी अन्य श्रोत से दावा नहीं किया है या उसे नहीं लिया है।”

3. नियमों की अनुसूची 1 को काट दिया जाएगा।

[फा० सं० एम-23013/5/87-इयू० (II) (iv)]
बी०डी० नगर, अवर सचिव

पाद टिप्पण :- मूल नियम भारत के राजपत्र तारीख 7 अक्टूबर 1978 में अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1232 तारीख 25 सितम्बर, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् उन्हें भारत के राजपत्र तारीख 22 अगस्त, 1982 में प्रकाशित अधिसूचना सं० सा० का० नि० 703 तारीख 6 अगस्त 1982 द्वारा संशोधित किया गया।

G.S.R. 392.—The following draft of certain rules further to amend The Beedi Workers Welfare Fund Rules, 1978 which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 12 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Beedi Workers Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Beedi Workers Welfare Fund Rules, 1978, for Rule 8, the following shall be substituted, namely :—

“8. Allowances payable to members :

(1) “Every non-official member including a non official member co-opted under rule 7, shall be entitled to receive travelling allowance, daily allowance and conveyance allowance in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance O.M. F. 6(26)-EIV/59, dated 5th September, 1960 as for the time being in force.

(2) The allowances under this rule shall be admissible only on production of a certificate by the non-official members to the effect that they have not claimed or drawn travelling allowance, daily allowance or conveyance allowance in respect of journeys and halts from any other source.”

3. Schedule-I of the Rules will be deleted.

[No. S-23013/5/87-W.II(iv)]

V. D. NAGAR, Under Secy.

FOOT NOTE :

Principal rules published vide notification GSR No. 1232 dated 25th September, 1978 in the Gazette of India dated 7th October, 1978.

Subsequently amended vide notification GSR No. 703 dated 6th August, 1982 in the Gazette of India, dated 21st August, 1982.